आत्मिक वाणी

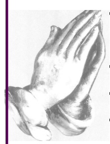

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधि काधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

उत्तराखंड की स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी होगी .. 8

वर्ष : 14 अंक : 270 देहरादून, मंगलवार 27 मई 2025 शुल्क : पचास पैंसे पृष्ठ संख्या : 08

मालन पुल सहित 07 योजनाओ का मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअल लोकार्पण

कोटद्वार-भाबर क्षेत्र से मोटाढ़ाक को जोड़ने वाले मालन पुल की प्रतीक्षा हुई समाप्त

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को पौड़ी जनपद के कोटद्वार में चिल्लरखाल-पाखरो मोटर मार्ग पर निर्मित मालन पुल के सुरक्षात्मक कार्य सहित कुल सात निर्माण कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जनता को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कहा कि मालन सेतु का पुनर्निर्माण राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। इस पुल के शुरू होने से कोटद्वार एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में कोटद्वार के विकास के लिये भी कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम किया जा रहा है। कोटद्वार में जहां एक ओर नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत 135 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य चल रहा है, वहीं दूसरी ओर 691 करोड़ की लागत से कोटद्वार में चार लेन बाईपास और कोटद्वार-नजीबाबाद डबल लेन सड़क का निर्माण भी कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोटद्वार-पौड़ी-श्रीनगर सड़क को भी अब डबल लेन में अपग्रेड किया जा रहा है। जिससे यात्रियों को सुविधा मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कोटद्वार रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण किया जा रहा है। सिद्धबली-कोटद्वार से दिल्ली तक नई ट्रेन सेवा भी शुरू हो चुकी है। कोटद्वार में अस्पताल और बस स्टैंड टर्मिनल का भी निर्माण प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि कोटद्वार में केंद्रीय विद्यालय के निर्माण के लिये लिये कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर विद्यालय के लिये भूमि हस्तांतरित कर दी गई है। सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में मौजूद विधानसभा अध्यक्ष व स्थानीय विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि कोटद्वार में मुख्यमंत्री के सहयोग से लगातार विकास कार्य कराये जा रहे हैं। क्षतिग्रस्त मालन पुल का कार्य भी तेजी से पूरा किया गया है।

इस अवसर पर नगर निगम कोटद्वार

- शेष पृष्ठ 7 पर ...

राज्यपाल ने की प्रशासनिक, विकासात्मक एवं पर्यटन संबंधी स्थिति की समीक्षा

इंडिया वार्ता ब्यूरो

नैनीताल। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को राजभवन नैनीताल में कुमाऊं मंडल एवं नैनीताल जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर क्षेत्र की प्रशासनिक, विकासात्मक एवं पर्यटन संबंधी स्थिति की समीक्षा की। राज्यपाल ने सर्वप्रथम कुमाऊं मंडल आयुक्त दीपक रावत से मंडल से जुड़े प्रमुख विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पर्यटन सीजन के चलते नैनीताल में पर्यटकों का अत्यधिक दबाव देखा जा रहा है, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित होती है। उन्होंने ट्रैफिक जाम की स्थायी समस्या के समाधान हेतु दीर्घकालिक योजना बनाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि नैनीताल के अतिरिक्त वैकल्पिक पर्यटन स्थलों को विकसित कर पर्यटक दबाव को संतुलित किया जाना चाहिए, जिससे समग्र पर्यटन विकास सुनिश्चित हो सके। राज्यपाल ने आईजी कुमाऊं परिक्षेत्र रिद्धिम अग्रवाल से कानून व्यवस्था एवं ट्रैफिक मैनेजमेंट की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी वंदना और एसएसपी पी.एन. मीणा से जिले में चल रहे विकास कार्यों और सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटकों की सुविधा, स्थानीय नागरिकों की सहूलियत और क्षेत्रीय विकास के लिए सभी योजनाओं को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए।

राशन विक्रेताओं के बकाया लाभांश भुगतान जल्द: रेखा आर्या

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। प्रदेश के राशन विक्रेताओं के लिए खुशखबरी है। कोविड के समय से रुके हुए उनके लाभांश का भुगतान जल्द होने जा रहा है। सोमवार को शासन स्तर से इसके लिए 44 करोड रुपए से ज्यादा की धनराशि जारी कर दी गई है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तथा आत्मनिर्भर भारत योजनान्तर्गत आवंटित खाद्यान्न पर अन्तर्राज्यीय परिवहन, लदाई धराई तथा सस्ता गल्ला विक्रेताओं के अतिरिक्त लाभांश की धनराशि का भुगतान नहीं हो पाया था। इसके लिए प्रदेश के राशन विक्रेता कई बार यह मांग उठा चुके थे। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि हाल ही में हमने राशन विक्रेता प्रतिनिधियों के साथ बैठक करके उन्हें जल्द इस लाभांश के भुगतान का भरोसा दिलाया था। उन्होंने बताया कि भुगतान के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य आकस्मिकता निधि से 44,46,21,737.00 की स्वीकृति मिल गई है।

भाजपा ने यूसीसी की सफलता को बताया जनता की मुहर

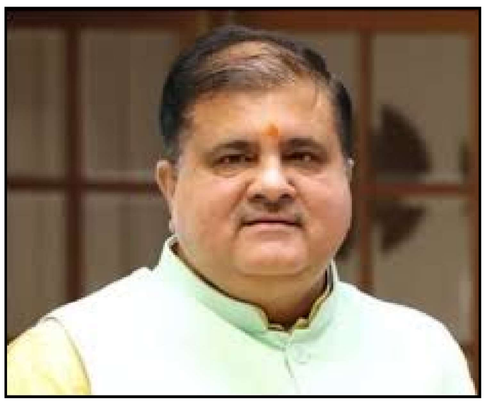

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। भाजपा ने यूसीसी की सफलता के आंकड़ों पर प्रसन्नता जताते हुए, इसे देवभूमिवासियों की यूसीसी पर मुहर बताया है। प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने उम्मीद जताई कि समान कानूनी अधिकार संपन्न उत्तराखंड का ये स्वरूप, आने वाले वक्त में समूचे भारत को यूसीसी के सूत्र में पिरोएगा। वहीं विपक्ष से भी जनता के रुख को देखते हुए, अपना नकारात्मक नजरिया बदलने का आग्रह किया। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में मुख्यमंत्री धामी द्वारा पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत समान नागरिक संहिता के अनुभवों को भरोसा दिलाने वाला बताया। कहा, प्रदेश में यूसीसी लागू के इन 4 महीनों के जो भी आंकड़े और जानकारी सामने आई हैं, वो साबित करता है कि लोगों ने इसे पूरी तरह से स्वीकारा है। इस अल्प समयांतराल में राज्य के लगभग सभी गांवों के लाखों लोग का इससे जुड़ना बताता है कि देवभूमि, समान कानून को व्यवहारिकता में अपना रहा है। जब हम यह जानकारी साझा करते हैं तो प्रदेश के अपने महान नागरिकों पर गर्व का अहसास होता है।

उन्होंने कहा, आज सरकार और समाज की कोशिशों से यूसीसी ने राज्य में धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र आदि के भेदभाव को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। हमारी यह सफलता इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि देश दुनिया की निगाह इस पर लगी है। बहुत खुशी होती है यह देखकर कि हम सबकी, सामूहिकता से की गई कोशिशें अब रंग लाने लगी हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि शीघ्र ही समान नागरिक कानून की देवभूमि से निकली ये गंगा, देशभर को समान कानून के सूत्र में पिरोएगी। आज देश के कई राज्य हमारे यूसीसी ड्राफ्ट का अध्यन कर रहे हैं और वो समय दूर नहीं होगा, जब देश के अन्य सूबों से होते हुए यह कानून समूचे भारत में लागू होगा। देश में यूसीसी लागू होना आम जनता की सहूलियत के साथ संविधान निर्माताओं के सपनों को भी पूरा करने वाला साबित होगा।

वहीं उन्होंने इस मुद्दे पर अब तक नकारात्मक रुख अपनाए हुए कांग्रेस और विपक्ष से भी अपना नजरिया बदलने का आग्रह किया है। क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि जनता ने इसके पक्ष में अपनी स्पष्ट राय दे दी है। ऐसे विपक्ष को भी अब अपने आलाकमान की बातों में नहीं आना चाहिए और राज्यहित में यूसीसी को लेकर सहयोग के लिए आगे आना चाहिए।

सम्पादकीय

मन तो हमारा दर्पण

जीवन रूपी यात्रा के हर क्षेत्र में हमें ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अह्म भूमिका निभाता है हमारा 'मन'। यदि हमारे मन में चलने वाले संकल्प कमजोर, उत्साहहीन, नकारात्मक है तो हमारी यात्रा का परिणाम भी वैसा ही होता है और हर तरफ आशा अनुकूल परिणाम नहीं मिलते है। जीवन के व्यवहार क्षेत्र में अनेक प्रकार की परिस्थितियां आती है- दु:ख-सुख, हार-जीत, निन्दा-स्तुति आदि। मन के किसी भी कोने में इन्हे स्वीकार कर लिया तो हम कभी भी मंजिल की तरफनहीं बढ़ सकते क्योंकि मन के हारे हार, मन के जीते जीत। हिम्मत, दृढ़ता, उमंग-उत्साह को हमेशा साथ रखने से मन रूपी मशीन चलती रहती है और मंजिल तक पहुंचा ही देती है। उन्होंने कहा कि 'मन' आत्मा की तीनों शक्तियों- मन, बुद्धि, संस्कार में से सबसे प्रबल है। ये वह चमत्कारी छडी है जिसे यदि यन्त्रित रूप से घुमाया जाये तो अनेक कार्य चुटकियों में सम्पन्न कर देती है। कई, मन की तुलना एक चंचल बच्चे से करते है तो कई इसे बेकाबू घोडा कहते है परन्तु हकीकत में मन तो हमारा दर्पण है। जिसमें हम स्वयं को जो है, जैसे है देख सकते है। वास्तव में मन तो जादुई चिराग के जीन्न की तरह है जिस प्रकार जीन्न अपने मालिक को कहता है 'कार्य दो, नहीं खा जाऊंगा' और मालिक उसे सीढी चढने और उतरने के कार्य में लगा देता है। वैसे ही हमारा मन भी एक सेकण्ड में अनेको विचारों रूपी सीढियों में भ्रमण करने लगता है। इस प्रकार हमारा मन हमें धमकी दिये बिना ही हमारी आन्तरिक शक्तियों का नष्ट कर रहा होता है कहा गया है- आत्मा स्वयं की मित्र भी है तो शत्रु भी है। जब हम (आत्मा) मन के गुलाम बन जाते है तो स्वयं के ही शत्रु बन जाते है। वर्तमान संसार में हमारे संस्कार तमोगुणों व भ्रष्टाचारी हो जाने के कारण इतना पापाचार चारों ओर फैल चुका है। चारों ओर धर्म की अति ग्लानी है। यह वही समय है जब स्वयं परमपिता परमात्मा को इस सृष्टि रूपी रंग मंच पर पधार कर हमें हमारी सत्य पहचान से परिचय कराते हुए कहते है कि आप यह शरीर नहीं हो एक आत्मा हो आत्मा इस शरीर की मालिक है और मन, बुद्धि, संस्कार व सर्व कर्मेन्द्रियों सहित कर्म करती है। वर्तमान समय में आत्मा अपना परिचय भूल जाने के कारण अपनी सभी कर्मेन्द्रियों की गुलाम बन बैठी है। माना अपने मन में चलने वाले नकारात्मक विचारों तथा इन्द्रियों से प्रभावित है। हमें अपने मन को परमात्मा द्वारा सिखाये जा रहे सहज राजयोग द्वारा इस प्रकार प्रशिक्षित करना चाहिए कि वह प्रकृति की तड़क-भड़क से आकृष्ट ना हो। इन्द्रिय ऋषियों में सन्लिप्त होकर आत्मा को पतित करना तो सर्वनाश का मार्ग है। यदि हम जीवन में वास्तव में ही सच्चे सुख और शान्ति के तीव्र अभिलाषी है तो हमें यह समझ चाहिए कि स्थाई सुख और शान्ति का सागर एक परमपिता परमात्मा ज्योर्तिबिन्दु शिव है उनकी याद के सानिध्य के रमण में ही हमारा कल्याण है। इसीलिए हमें चाहिए कि हम अपने मन को व्यर्थ से, नकारात्मक विचारों से मुक्त रखते हुए निरन्तर सकारात्मक, श्रेष्ठ, पवित्र, शुद्ध विचारों के प्रवाह में बहने दे।

बदलते युग का नया तमाशा संस्कारों की सिसकियाँ

- प्रियंका सौरभ

समाज में अब बेटी की निगरानी नहीं, दादी और सास की होती है। तकनीक और आज़ादी के इस युग में रिश्तों की परिभाषा बदल गई है। जहाँ पहले लड़कियों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता थी, अब वही महिलाएं अपनी आज़ादी के साथ नई दुनिया की खोज में हैं। पुरुषों की निगरानी पर स्त्रियाँ भी चौकस हो गई हैं। रिश्ते अब उम्र और संस्कार से नहीं, टेक्स्टिंग फ्रिक्वेंसी से तय होते हैं। यह व्यंग्य समाज के बदलते चेहरे को हँसते-हँसते सोचने पर मजबूर करता है — आखिर अब कौन भागेगा? कभी सामाजिक डर और परिवार की इज्जत की चिंता बेटियों की निगरानी का आधार हुआ करती थी। ये वो दौर था जब बेटी की सादगी, उसके रहन-सहन पर कड़ी नजर रखी जाती थी। मोहल्ले के चौपाल में सबसे बड़ा मुद्दा यही होता था कि लड़की भाग गई, जैसे कोई बड़ी दुर्दशा हुई हो। आज का जमाना अलग है। आज तकनीक और आज़ादी के ज़माने में चौकसी की दिशा ही बदल चुकी है। अब निगाहें बेटियों पर नहीं, बल्कि दादी, सास, भाभी, और काकी पर टिक गई हैं। यही नहीं, अब कौन भागा? यह सवाल बेटियों के लिए नहीं, बल्कि घर की अनुभवी महिलाओं के लिए बन गया है। यह नया सामाजिक हकीकत है, जिसमें हंसी-ठिठोली के बीच गंभीर सवाल भी छिपे हैं।

कुंवारी नहीं, कुलवधुएँ फरार हैं!

एक समय था जब समाज में कुंवारी लड़कियों का भागना गंभीर मामला माना जाता था। वह भागना कहीं कोई भटकाव नहीं, बल्कि इज्जत का संकट होता था। माँ-बाप, रिश्तेदार, मोहल्ला — हर कोई इसी चर्चा में मशगूल रहता। पर आज स्थिति पूरी तरह बदल गई है। आज बेटियाँ करियर बना रही हैं, आत्मनिर्भर बन रही हैं। पढ़ाई, नौकरी, प्रतियोगिता की भागदौड़ में उनकी भागना के मायने ही बदल गए हैं। मगर घर की अनुभवी महिलाएँ — यानी माँ, भाभी, काकी, दादी — व्हाट्सएप पर मिसिंग यू माई सनशाइन के स्टेटस लगाकर, लोकेशन ऑफ कर फ़िक्र से दूर कहीं निकल जाती हैं। कहीं बाहर घूमने, दोस्तों से मिलने, तो कहीं नए-नए 'फ्लर्ट' की खोज में।

यह स्थिति देखना है तो बहुत ही हास्यास्पद और एक बार सोचने पर चिंताजनक भी है। जो पीढ़ी संस्कारों की किताबें पढ़ाकर लड़कियों को संभालती थी, वही अब खुद संस्कारों को नया अर्थ दे रही है।

चारित्रिक उलटफेर का युग

वह दौर याद करें जब संस्कार का मतलब था संयम, पाबंदी, और परम्परागत नैतिकता। आज की दादी इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अपनी फोटो शेयर करती है, योगा के बजाय 'यार' के साथ मिलने चली जाती है। भाभी सिर्फ पारिवारिक रीति-रिवाज नहीं निभाती, बल्कि 'लीडर' की तरह अपने दोस्ती और डेटिंग लाइफ को सेलिब्रेट करती है। इन सब बदलावों में परंपराओं का टूटना या फिर उनका नया अवतार — दोनों ही बातें सच हैं। जो पीढ़ी नैतिकता का फण्डामेंटल थी, आज वही 'गुप्त चैटिंग', 'सीक्रेट ट्रिप्स' और 'मोडर्न फ्रेंडशिप' के बीच उलझी हुई दिखती है।

पुरुषों की निगरानी पर स्त्रियों का 'रिवर्स स्ट्राइक'

पुराने समय में परिवार और समाज में पुरुषों का नियंत्रण और निगरानी महिलाओं पर केंद्रित थी। पति, भाई, पिता के लिए महिलाओं की गतिविधियाँ सबसे महत्वपूर्ण होती थीं। मोबाइल नहीं था तो आंखों की चौकसी, गुप्त बातचीत की जांच। आज की पीढ़ी में यह संतुलन पलट गया है। पति अब मोबाइल पासवर्ड छिपाने के बजाय पूछते हैं — तुमने किसका मैसेज डिलीट किया? बेटा घबराकर सोचता है, माँ कहीं प्यार में तो नहीं पड़ गई? यानी अब पुरुष भी 'निगरानी' की जाल में फंसे हैं। यह 'रिवर्स स्ट्राइक' कई बार घर के माहौल को कंफ्यूज़िंग बना देती है। यह वही घर है जहां रिश्तों की पाबंदी होती थी, आज वही रिश्ते 'टेक्स्टिंग फ्रिक्वेंसी', 'लोकेशन शेयरिंग', और 'वीडियो कॉल' की पकड़ में हैं।

नई पीढ़ी की जिम्मेदारी बनाम पुरानी की आज़ादी

जिस बेटी की जिंदगी कभी पहरेदारी का विषय होती थी, आज वही बेटी घर की हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी निभा रही है। श्वस्छ्ु के किस्ते से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक, हर घर की 'संचालन' में वह लगी हुई है। और घर की बुजुर्ग महिलाएँ — सास 'वेलनेस रिट्रीट' पर हैं, दादी 'रील' बनाती हैं और सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। जीवन में आज़ादी का मतलब बदल गया है — अब 'फ्रीडम' की परिभाषा पुराने संस्कारों से हटकर सोशल मीडिया और डिजिटल दोस्ती तक सीमित है।

रिश्तों की दिशा बदल रही है

रिश्ते अब उम्र, जाति, या सामाजिक स्तर से नहीं, बल्कि 'इच्छा' और 'संपर्क की आवृत्ति' से जुड़ते हैं। पहले रिश्ते स्थायी होते थे, अब 'टेक्स्टिंग फ्रिक्वेंसी', 'इमोशनल स्टेटस' और 'लास्ट सीन ऑन/ऑफ' ही रिश्तों की डिग्री तय करते हैं। स बदलाव में परिवार के मूल्यों की भी धज्जियां उड़ रही हैं। माता-पिता की भूमिका एक गाइड की बजाय 'फ्रेंड' की हो गई है। घर के अंदर अब बेटियों की नहीं, दादियों की निगरानी ज़रूरी हो गई है। यह एक विचित्र सामाजिक उलझन है, जो हमारी 'आज़ादी' और 'संस्कार' की जुगलबंदी को समझने पर मजबूर करती है।

तकनीक- विकल्प या भ्रम?

तकनीक ने जीवन को आसान बनाने के साथ-साथ रिश्तों को जटिल भी किया है। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म्स ने संवाद के नए ज़रिया दिए, मगर वे पारिवारिक नज़दीकियों में दूरी भी लाए। जहाँ पहले चाय की प्याली के साथ घंटों बैठकर बातें होती थीं, आज वही बातचीत 'डबल क्लिक' और 'डिलीट' बटन के बीच सीमित हो गई है। इसके चलते रिश्तों की स्थिरता कम, उलझनें ज़्यादा बढ़ीं।

सामाजिक विडंबना और नया यथार्थ

इस सारे बदलाव का सबसे बड़ा असर यह है कि समाज की पुरानी धारणा — जहां बेटियों की इज्जत और व्यवहार को केंद्र माना जाता था — अब धुंधली पड़ गई है। अब एक 'अधिकृत' सवाल यह है कि क्या बेटी भागी है या दादी? क्या परिवार में बेटियों के लिए पहले जैसी पाबंदी रह गई है? या अब 'जिम्मेदार' और 'आजाद' महिलाएं अपनी जगह ले चुकी हैं? यह सवाल हँसी के साथ-साथ सामाजिक चिंतन का विषय भी है। आज के समय में रिश्ते, परिवार और नैतिकता के नए मायने तलाशने होंगे।

यह समाज की व्यंग्यात्मक तस्वीर हमें हँसाती है, पर साथ ही गंभीर सोच पर मजबूर भी करती है। क्या यह बदलाव आज़ादी का जश्न है, या रिश्तों का पतन? क्या तकनीक ने हमारे विकल्प बढ़ाए हैं, या भ्रम फैला दिया है? और सबसे अहम — अब जब कोई भागे, तो नाम पूछने से पहले बस इतना पूछिए — उसका लास्ट सीन ऑन था या ऑफ?

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें
संपादक
दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)

eks kbZy u-& 7500581414,9359555222
Email: indiawarta@gmail.com

जनता दरबार में समस्याओं का त्वरित समाधान, बढ़ने लगा जनमानस का विश्वास

जन सुनवाई में 113 शिकायत दर्ज, सीडीओ ने अधिकांश का मौके पर किया समाधान
विभागों को दिए निर्देश, जन समस्याओं का प्राथमिकता पर करें समाधान

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मा0 मुख्यमंत्री का संकल्प, सेवा और सुशासन एवं जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों के क्रम में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में क्लेक्ट्रेट सभागार में जनता दरबार आयोजित किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंच लोगों ने 113 शिकायतें रखी। जिनमें से अधिकांश शिकायतों का मुख्य विकास अधिकारी ने मौके पर निस्तारण किया। उन्होंने अधिकारियों को जन समस्याओं का त्वरित समाधान और उनका समयबद्वता से निस्तारण करने के निर्देश भी दिए। जनता दरबार में भूमि विवाद को लेकर अधिकतर समस्याएं छाई रही। इसके अलावा सड़क, पेयजल, एमडीडीए, नगर निगम, पुलिस, परिवहन, शिक्षा, विद्युत, आर्थिक सहायता एवं अपने क्षेत्र से जुड़ी शिकायतों को भी जनता ने प्रमुखता से रखा।

दिव्यांग भूतपूर्व सैनिक ने नवादा में स्थित उनकी भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर उनके साथ मारमीट करने तथा हसनपुर तहसील विकासनगर निवासी रिटायर्ड सेना के अधिकारी ने भूमाफिया द्वारा उनकी निजी भूमि पर कब्जा किए जाने और धमकाने की शिकायत दर्ज की। जिस पर संबंधित एसडीएम को जांच के निर्देश दिए गए। वही पथरीबाग निवासी महिला ने अपने पडोसी पर एमडीडीए नक्शे से हटकर उनकी निजी भूमि पर अतिक्रमण करते हुए भवन निर्माण करने की शिकायत पर एमडीडीए को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम की भूमि पर न्यायालय में वाद विचाराधीन होने के बावजूद विपक्षियों द्वारा वादग्रस्त भूमि खुर्द-बुर्द किया जाने के शिकायत पर लोनिवि, नगर निगम एवं तहसील प्रशासन को संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। चाय बागान श्रमिक संघ की ने चाय बागान उदियाबाग एवं गुडरीच विकासनगर के चाय को काटकर उसमें कृषि कार्य किए जाने की शिकायत पर एसडीएम विकासनगर को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

चकराता-त्यूनी राष्ट्रीय राजमार्ग से ग्राम डिमिच-चांजोई लोनिवि चकराता, पीएमजीएसवाई, लोनिवि कालसी द्वारा भूमि मुआवजा वितरण की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग पर संयुक्त टीम बनाकर अधिकारियों को जांच कर 15 दिनों के भीतर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। ईस्ट होप टाउन ठाकुरपुर पंचायत ग्राम चायबाग में सोलर लाइट लगाने की मांग पर सीडीओ ने उरेडा विभाग को जिला प्लान में प्रस्ताव शामिल करने के निर्देश दिए। वाणी विहार वार्ड निवासियों ने सपेरे बस्ती के पास नालों के ऊपर बनी अवैध पुलियों को ध्वस्त करने की मांग रखी।

अजबपुर कला निवासी विधवा महिला ने अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। वही नेहरू ग्राम निवासी विधवा महिला ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि उनके पति की सड़क दुर्घटना अकाल मृत्यु होने पर उनके परिवार आर्थिक तंगी से गुजर बसर कर रहा है। विधवा महिला ने आर्थिक सहायता और रोजगार दिलाने की गुहार लगाई। जिस पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

ग्राम बेगी चकराता निवासी शिवराम ने कृषि विभाग के माध्यम से बहुउद्देशीय टैंक स्वीकृत करने की मांग रखी। ग्राम म्यूंडा, चकराता में नहर निर्माण की निष्पक्ष जांच की मांग पर डीडीओ को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। दैवीय आपदा में क्षतिग्रसत नहर/गूल की मरम्मत हेतु जिला अपदा प्रबंधन अधिकारी को आपदा मद में प्रकरण प्रस्तुत करने को कहा गया। तपोवन रोड, लाडपुर रोड पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेत लगाने हेतु लोनिवि के अधिशासी अभियंता को निरीक्षण कर वांछित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जनता दरबार में अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा, एसडीएम अपूर्वा, उप नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी वीके ढौंडियाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, डीएसडब्ल्यूओ दीपांकर घिल्डियाल, सीवीओ विद्याधर कापडी सहित अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

पेयजल की प्रत्येक समस्या का गंभीरता से संज्ञान ले रहा जिला प्रशासन

गर्मी में हर घर तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति, जिला प्रशासन की प्राथमिकता
20 अप्रैल से कंट्रोल रूम 24×7 तैनात कार्मिक, अब तक मिली 104 शिकायत, 96 निस्तारित।
शिकायत मिलते ही त्वरित समाधान जारी रखें अधिकारी: डीएम

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मा0 मुख्यमंत्री के जनसेवा संकल्प के तहत पेयजल आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन प्रतिबद्व है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर एडीएम की अध्यक्षता में जिले स्तर पर समिति गठित की गई है, जो नियमित रूप से पेयजल शिकायतों की मॉनिटरिंग कर रहे है। डीएम के निर्देश पर पेयजल सप्लाई से जुडे 07 विभागों के अधिकारी 20 अप्रैल से जिला कंट्रोल रूम में तैनात किए गए है और डे-टू-डे पेयजल समस्याओं का त्वरित निस्तारण जारी है। विगत 14 अप्रैल से लेकर 26 मई तक पेयजल की 104 शिकायतें मिली है, जिसमें से 96 शिकायतों का समाधान कर पानी की आपूर्ति सुचारू कर दी गई है। पेयजल जल समस्याओं के निस्तारण हेतु संचालित कंट्रोल रूम को वार्ड-93 बडोवाला से सागर सिंह ने पानी न आने की शिकायत दर्ज की थी। जिस पर जल संस्थान के अधिशासी अभियंता ने क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का निस्तारण कराया जा चुका है। वर्तमान में पेयजल आपूर्ति सुचारू है। आरकेडिया में लीकेज से सड़क पर बर्वाद हो रहे पानी की शिकायत पर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिसमें पेयजल लाइन में रिसाव मिलने पर तत्काल उसको मरम्मत करवा दिया गया है। वही चन्द्र शेखर आजाद नगर एवं काली मंदिर, जीएमएस रोड पर पेयजल बाधित, लो प्रेशर से पानी आने की शिकायत का भी समाधान कर दिया गया है। अंबीवाल और हरिजन बस्ती में अनियमित पेयजल की शिकायत पर जल संस्थान के अधिशासी अभियंता ने बताया कि विद्युत आपूर्ति में अस्थिरता होने के कारण लो प्रेशर से अंतिम छोर तक पेयजल आपूर्ति में समस्या थी। वर्तमान में विद्युत आपूर्ति सुचारू होने पर निर्बाध रूप से पेयजल आपूर्ति हो रही है। कंट्रोल रूम को मिलने वाली शिकायतों की नियमित समीक्षा के साथ पेयजल अधिकारी समस्याओं का डे-टू-डे समाधान करने में जुटे है। अब तक मिली 104 शिकायतों में 96 का निस्तारण कर लिया गया है। जिलाधिकारी के निर्देशों पर पेयजल संकट वाले क्षेत्रों में नियमित निगरानी करते हुए ट्यूबवेल व नलकूपों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जल संस्थान एवं जल निगम के सभी डिविजनों में समस्याओं के निस्तारण के लिए टोल फ्री नंबर भी प्रचारित किए गए है। इसके अलावा कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर 0135-2726066 व 1077 पर भी शिकायत दर्ज की जा सकती है।

डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी शिक्षा व पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए हुए सम्मानित

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। कलयुग दर्शन राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र द्वारा सामुदायिक केंद्र बीएचईएल हरिद्वार में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में शिक्षा व पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पर्यावरणविद् डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

बताते चलें वृक्षमित्र डॉक्टर त्रिलोक चंद्र सोनी लंबे समय से पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं और राजकीय इंटर कॉलेज मरोड़ा में प्रवक्ता भूगोल के पद पर कार्यरत हैं जहां उनके द्वारा अक्षर ज्ञान से छात्रों का भविष्य संवारा जा रहा है वहीं प्रकृति को संजोकर एक पर्यावरणीय संतुलन बनाने के लिए सतत रूप से कार्य किया जा रहा हैं।

कार्यक्रम में मीयर किरन जैसवाल, महंत शुभम गिरी, सरविंदर कुमार, नदीम सलमानी, दीपक झा, नरेश मित्तल, सागर कुमार, विजय कुमार,अवधेश कुमार, जमशौल अली आदि उपस्थित थे।

मन की बात' में पीएम मोदी ने सुनाई 'काटेझरी' की कहानी, जहां आजादी के 77 साल बाद पहुंची बस

पीएम नरेंद्र मोदी ने किया 'क्राफ्टेड फाइबर्स' का जिक्र, कहा- सिक्किम की संस्कृति को आगे बढ़ा रहा यह ब्रांड

मुझे पाकिस्तान से बहुत प्यार हैज् ज्योति मल्होत्रा का वीडियो आया सामने, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

हिसार। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को हिसार की एक अदालत ने सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद ज्योति को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने का आदेश दिया गया।

ज्योति मल्होत्रा को पुलिस ने नौ दिन की रिमांड पर लिया था, जो अब समाप्त हो चुकी है। इस दौरान पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की और जासूसी से संबंधित महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास किया। इससे पहले भी पुलिस ने ज्योति को दो बार रिमांड पर लिया था। रिमांड के दौरान जांच एजेंसियों ने ज्योति से गहनता से पूछताछ की। ज्योति मल्होत्रा एक यूट्यूबर है और उसके खिलाफ 16 मई को सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। वह उन 12 लोगों में शामिल थी जिन्हें जासूसी के संदेह में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था। बताया गया कि वह पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में थी। भारत ने कथित तौर पर जासूसी में लिप्त होने के कारण 13 मई को दानिश को देश से निष्कासित कर दिया था।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), खुफिया ब्यूरो और सैन्य खुफिया अधिकारियों ने भी मल्होत्रा से पूछताछ की है। जांच से पता चला है कि वह पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और कुछ अन्य देशों में गई थी। पुलिस ने कहा था कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी मल्होत्रा को एक %एसेट' के रूप में विकसित कर रही थी। यह भी बताया गया कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिवसीय सैन्य संघर्ष के दौरान वह दानिश के संपर्क में थी। जांच के दौरान पुलिस को ज्योति मल्होत्रा के लैपटॉप और मोबाइल से डिलीट की गई चैट मिली है। इससे पहले पुलिस ने उसके तीन मोबाइल फोन और एक लैपटॉप को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा था। मल्होत्रा के बैंक खातों की भी जांच की जा रही है। हिसार के पुलिस अधीक्षक के आधिकारिक बयान के अनुसार, अब तक की जांच में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे पता चले कि मल्होत्रा ने संवेदनशील रक्षा या रणनीतिक जानकारी हासिल की हो, न ही आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने या आतंकवादी संगठनों से उसके संबंधों का कोई संकेत मिला है।

पाकिस्तान से जासूसी के आरोप में गिरफ्तार भारतीय यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को लेकर एक बार फिर बड़ा खुलासा सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में ज्योति को पाकिस्तान के मशहूर न्यू अनारकली बाजार में व्लॉगिंग करते हुए देखा गया। लेकिन इस वीडियो में जो सबसे चौंकाने वाली बात है, वो यह कि ज्योति के साथ 6 सिक्योरिटी गार्ड् र्य-47 जैसे हथियारों से लैस नजर आते हैं। साथ ही इस दौरान खुद कहती नजर आ रही हैं कि उन्हें पाकिस्तान से बहुत प्यार है। इस वीडियो के सामने आने के बाद ज्योति के पाकिस्तान कनेक्शन पर फिर से गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

हैवानियत की हदें पार : दुष्कर्म के बाद महिला को बेरहमी से उतारा मौत के घाट; आंतें बाहर आईं

खंडवा ,एंजेंसी। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक महिला की दुष्कर्म के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की आंतें बाहर आने की पुष्टि हुई है, जिससे घटना की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। महिला की मौत घटना के लगभग 18 घंटे बाद हुई।

पीड़िता का पोस्टमार्टम करने वाले पैनल में शामिल डॉ. सीमा सूते ने बताया कि जब शव को अस्पताल लाया गया तो उसकी आंतें बाहर निकली हुई थीं। उन्होंने बताया कि यह पेट पर तेज प्रहार या अंदरूनी हिस्से में किसी वस्तु से चोट लगने के कारण हो सकता है। हालांकि, पुलिस जांच में महिला की बच्चेदानी शरीर से बाहर होने जैसी स्थिति से इनकार किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट हो जाएगी। जानकारी के अनुसार, पीड़िता 24 मई की सुबह अपने घर पर बेहोश मिली थी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को खंडवा जिला अस्पताल भेजा, जहां रविवार दोपहर महिला चिकित्सकों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। रोशनी पुलिस ने इस मामले में गांव के दो आरोपी सुनील और हरि के विरुद्ध दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता का अंतिम संस्कार गांव में कर दिया गया है।

महिला के बेटे ने पुलिस को बताया कि उसे उसकी मां हरि के घर पर बेहोशी की हालत में मिली थी। होश आने पर उसकी मां ने बताया कि सुनील और हरि ने उसके साथ गलत काम किया है। पीड़िता के इसी बयान के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह भी बताया कि पीड़िता और दोनों आरोपी एक-दूसरे को जानते थे और घटना की रात तीनों ने साथ में शराब भी पी थी।

पीड़िता के बेटे ने बताया कि उसकी मां एक शादी समारोह में गई थी और रात को घर नहीं लौटी। सुबह उन्हें एक पड़ोसी महिला ने बताया कि वह उनके आंगन में बैठी है, जिसके बाद परिजन वहां पहुंचे और उसे बेहोश पाया। एएसपी ग्रामीण राजेश रघुवंशी ने रविवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि 23 मई को पीड़िता गांव में एक शादी समारोह में शामिल हुई थी। आरोपी हरि भी उसके साथ था। समारोह के बाद दोनों एक अन्य महिला को उसके खेत वाले घर पर छोड़ने गए थे। वहां से लौटने के बाद पीड़िता हरि के घर गई, जहां कुछ देर बाद सुनील भी आ गया। पुलिस को घटनास्थल पर महिला की बच्चेदानी बाहर निकलने जैसी कोई स्थिति नहीं मिली। एएसपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही अन्य तथ्यों का खुलासा हो पाएगा।

भारत में कोविड-19 के एक्टिव मरीजों की संख्या 1000 के पार, केरल में 430 मामले आए सामने

नई दिल्ली,एंजेंसी। देश में कोविड19 के एक्टिव केसों की संख्या 1000 पार कर गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फिर से कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राजधानी में पिछले एक सप्ताह में कोरोना के 99 मामले आए हैं। इस दौरान 24 मरीज ठीक हुए हैं और अभी 104 सक्रिय मरीज हैं। इसमें केरल राज्य में सबसे ज्यादा मरीजों की संख्या 430 है। केरल से लेकर कर्नाटक तक और महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक कोरोना के नए आंकड़े अब डराने लगे हैं। देश में एक बार फिर कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी लेटेस्ट डेटा के अनुसार, भारत में इस समय कुल 1009 सक्रिय कोविड-19 मामले हैं। साल में यह पहली बार है, जब देश में कोरोना के केस 1000 पार हुए हैं। स्वस्थ्य मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, भारत में 1009 एक्टिव मामलों में से 752 मामले हाल ही में सामने आए हैं। यह इस बात की ओर इशारा करता है कि कोरोना वायरस अब धीरे-धीरे मजबूती से अपना पैर पसार रहा है। यह कोरोना अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इससे बचने के लिए लोगों को संभल कर रहने की जरूरत है। कोरोना के मामलों ने तो सबसे अधिक दिल्ली में सरप्राइज किया है। यहां कोरोना वायरस के 100 से अधिक मामले सामने आए हैं। यूपी में 15 एक्टिव केस हैं जबकि पश्चिम बंगाल में 12 और तामिलनाडु में 69 केस सामने आए है। अंडमान और निकोबार, अरुणाचल प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर जैसे कई राज्यों में फिलहाल कोई सक्रिय कोविड-19 मामला दर्ज नहीं है। हालांकि, बिहार में भी अब कोरोना के दो मामले सामने आए हैं। वहीं, कोविड से हुई मौतों की बात करें तो, महाराष्ट्र में 4, केरल में 2 और कर्नाटक में 1 मौत की रिपोर्ट मिली है। हालांकि, 305 लोग इस दौरान कोरोना से ठीक भी हुए हैं।

पश्चिम मंडल कार्यसमिति का बैठक मंटू बाबा के आवास पर किया

सोनपुर ,एंजेंसी। दरियापुर पश्चिम मंडल कार्यसमिति का बैठक सखनौली मे सरपंच सह मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा के आवास पर किया गया जिसकी अध्यक्षता मंटू बाबा ने किया और संचालन भाजपा नेता पवन सिंह ने किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने कार्यकर्त्ताओ को सम्बोधित करते हुए अपना बूथ सबसे मजबूत करने की बात कही और पटना मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यक्रम मे लोगो से बड़ी संख्या मे परसा विधानसभा से चलने की अपील की इस अवसर पर जिलाउपाध्यक्ष विकास गुप्ता भाजपा नेता हरेंद्र सिंह पूर्व मुखिया हरी सहनी कृष्णकांत सिंह उप सरपंच जयमाला देवी लगनी देवी मंटू गुप्ता मुनचुन लालबाबू शर्मा सुमंत कुमार मोनू सिंह रंजीत सिंह मनीष गुप्ता कुणाल सिंह उमेश महतो पंचायत समिति मुकेश कुमार सोनू सिंह अजय साह गोपाल जी राकेश दुबे राजेश सिंह बच्चा पांडेय सहित सैकड़ो कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

भारत में सोशल इनोवेटर्स को सशक्त करने और उनका समर्थन करने के लिए प्रदान किए जाएंगे 2 करोड़ रुपये

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। । इन्फोसिस की परोपकारी कार्य करने वाली और सीएसआर इकाई इन्फोसिस फाउंडेशन ने अपने आरोहण सोशल इनोवेशन अवार्ड के चौथे संस्करण को लॉन्च करने का एलान किया है। भारत में सोशल इनोवेशन को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए इन्फोसिस फाउंडेशन ने इस अवार्ड में हिस्सा लेने के लिए देशभर से इनोवेटर्स एवं सामाजिक उद्यमियों को आमंत्रित किया है। आरोहण सोशल इनोवेशन अवार्ड के चौथे संस्करण के लिए आवेदन 24 अप्रैल, 2025 से स्वीकार किए जा रहे हैं। 15 जून, 2025 तक इसके लिए आवेदन किया जा सकता है। 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी भारतीय नागरिक जो भारत में रह रहे हैं, इसके लिए आवेदन करने के पात्र हैं। प्रतिभागी वीडियो बनाकर अपने कार्य के बारे में विस्तार से बताते हुए आवेदन कर सकते हैं। वीडियो को आरोहण सोशल इनोवेशन अवार्ड वेबसाइट पर अपलोड किया जा सकता है। आवेदन पूरी तरह से काम कर रहे प्रोटोटाइप या तैयार हो चुके प्रोजेक्ट से संबंधित होना चाहिए। इसमें केवल कॉन्सेप्ट, आइडिया या मॉकअप के लिए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। प्रतिष्ठित जजों का पैनल शॉर्टलिस्ट किए गए प्रतिभागियों में से मूल्यांकन करते हुए अंतिम विजेताओं का चयन करेंगे।

आरोहण सोशल इनोवेशन अवार्ड 2025 का उद्देश्य व्यक्तिगत स्तर पर ऐसे लोगों को, टीमों को, एनजीओ को और सामाजिक उद्यमियों को चिह्नित एवं पुरस्कृत करना है, जो टेक्नोलॉजी आधारित ऐसे अनूठे समाधान विकसित कर रहे हैं, जो बड़े पैमाने पर देश के वंचित समुदायों पर उल्लेखनीय प्रभाव डालने में सक्षम हैं।

जिला चयन समिति, की वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम बैठक आहूत

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। अल्मोड़ा, 26 मई, 2025 (सू0वि0) - जिला पर्यटन विकास अधिकारी प्रकाश सिंह खत्री ने बताया कि दीन दयाल अतिथि गृह आवास (होम स्टे) योजना एवं वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजनान्तर्गत जिला चयन समिति, की वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम बैठक मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी की अध्यक्षता में दिनाँक 28 मई, 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे विकास भवन सभागार में आहूत की गयी है।

29 मई को होगें सांस्कृतिक दलों के पंजीकरण हेतु ऑडिशन

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। जिला सूचना अधिकारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा सरकार की नीतियों एवं कल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत संचालित गीत एवं नाट्य योजना के अन्तर्गत अल्मोड़ा के सांस्कृतिक दलों के पंजीकरण हेतु ऑडिशन दिनाँक 29 मई, 2025 को एम0बी0पी0जी0 कॉलेज नैनीताल रोड, हल्द्वानी में पूर्वान्ह 10:00 बजे से किया जायेगा। उन्होंने सभी आवेदनकर्ताओं से अपील की है कि निर्धारित समय पर पहुंचे एवं जरूरी दस्तावेजों के साथ ऑडिशन में प्रतिभाग करें।

एक शिक्षक के पर बच्ची से गंदी करकत करने का लगा आरोप, पुलिस कर रही मामले की जांच

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। जिले में टीचर एक टीचर ने नाबालिग बच्ची से अश्लील हरकत कर दी। इसी मामले में पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। मामले सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने आरोपी शिक्षक को स्कूल के हाटकर कार्यालय में अटैच कर दिया है। जिसके बाद आरोपी शिक्षण कार्यालय से छुट्टी लेकर नदारद बताया जा रहा है। स्याल्दे विकासखंड के देघाट थाना क्षेत्र में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली 11 साल की नाबालिग छात्रा ने एक टीचर पर अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस को शिकायत की गई थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। हालांकि अभी तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया।

वीड़ित बच्ची के पिता का कहना है कि इस तरह के आरोपी के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आरोपी को कानून की ओर से सख्त सजा दी जाएगी। वहीं देघाट थानाध्यक्ष एसआई दिनेश नाथ ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है। धारा 164 के तहत बयान ले लिए गए हैं। जांच अपने अंतिम चरण में है। जांच एसआई हेमा कार्की को सौंपी गई है। जल्द ही मामले में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी शिक्षक को विद्यालय से हटा कार्यालय में अटैच किया गया है, लेकिन वह छुट्टी लेकर कार्यालय से गायब है। उप-शिक्षा अधिकारी प्रज्ञानंद पलिहा ने बताया कि मामले में विभाग की ओर से समिति गठित कर जांच की जा रही है। इस दौरान बच्ची से मिलकर बयान लिए जा चुके हैं। 19 मई को आरोपी शिक्षक नाथू सिंह को अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस भेज एक सप्ताह का समय दिया गया है। 7 दिनों तक यदि कोई जवाब नहीं आया तो मामले की रिपोर्ट तैयार कर मुख्य शिक्षा अधिकारी को भेज दी जाएगी। जिसके बाद सीईओ स्तर से कार्रवाई की जाएगी।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, चोरी की 9 बाइकों के साथ दो गिरफ्तार

नैनीताल (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। पुलिस ने एक सक्रिय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड करते हुए गंगोली क्षेत्र से दो चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से नौ चोरी की बाइकें बरामद की गई हैं। पकड़े गए दोनों चोर आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे है। इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने बताया पिछले कुछ समय से नैनीताल शहर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार बाइक चोरी की घटनाएं सामने आ रही थी। जिसके बाद एसपी सिटी के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन कर मामलों की जांच सौंपी गई। टीम ने करीब 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की और संभावित रूट और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की। जांच के बाद पुलिस को पता चला कि चोर गिरोह मंगोली क्षेत्र में सक्रिय है। इसके बाद पुलिस ने रणनीति बनाकर मंगोली में छापेमारी की। जहां से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे नैनीताल और आसपास के क्षेत्रों से बाइकें चोरी करते थे और उन्हें मंगोली के पास जंगल में छिपा देते थे। गिरफ्त में आए आरोपियों की पहचान घुग्घू खाम निवासी दीपक सिंह बिष्ट और बाजपुर बन्ना खेड़ा निवासी आकाश के रूप में हुई है। दोनों आपस में साढ़ू भाई हैं। पुलिस दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से 9 बाइकें बरामद की हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रहलाद नारायण मीणा का कहना है कि गिरोह का नेटवर्क और भी बड़ा हो सकता है और आने वाले समय में और भी खुलासे हो सकते हैं। एसएसपी ने खुलासा करने वाली टीम को ढाई हजार रुपए ईनाम देने की घोषणा की है।

हर उस दिल की धड़कन के साथ हूं, जो हमारे देश के लिए धड़कती है : करिश्मा तन्ना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ा हुआ है। भारतीय सेना पाकिस्तान की हरकतों का करारा जवाब दे रही है। पूरा देश सेना के साथ खड़ा है। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी खुलकर सरहद पर देश की रक्षा करने वालों का हौसला बढ़ा रहे हैं। इस कड़ी मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने भारतीय सैनिकों को सलाम करते हुए कहा कि वह हम आपकी वजह से सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा , जय हिंद, जय भारत.. इस समय, जो हम अपना जीवन सुख से जी रहे हैं। इसके पीछे हमारी सीमाओं पर खड़े बहादुर सैनिक हैं, जो अपना सब कुछ दांव पर लगाकर हमें सुरक्षित महसूस करा रहे हैं। हर सैनिक, हर अधिकारी, हर परिवार.. जो चुपचाप डटे हुए हैं, उनके प्रियजन हमारे देश के लिए लड़ रहे हैं, उनके लिए धन्यवाद कहना बहुत छोटा लगता है। मैं भारत के साथ खड़ी हूं। हर जवान के साथ। हर उस दिल की धड़कन के साथ, जो हमारे देश के लिए धड़कती है। आपकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं। आपके साहस को सलाम करती हूं। भारत आपके कारण है। जयहिंद, जय भारतीय सेना। करिश्मा के अलावा, बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने भी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के पोस्ट पर लिखा, प्रिय भारतीय सेना, इन मुश्किल परिस्थितियों में मैं आप सभी को आपके अटूट साहस, बलिदान और समर्पण के लिए दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। भारत की सुरक्षा व संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए आपकी लगातार की जा रही कोशिशें नजरअंदाज नहीं की जा सकती। देश मुश्किल हालातों से गुजर रहा है, ऐसे समय में भारतीय सैनिकों की हिम्मत और समर्पण आम लोगों को प्रेरणा और सकारात्मक उम्मीद दे रही है। गर्व और सम्मान के साथ भारत की रक्षा करने और मजबूती से खड़े रहने के लिए आपका धन्यवाद। हम भारत और सशस्त्र बलों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं! हमारे असली हीरो! जय हिंद!

वहीं एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय ने इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पोस्ट शेयर किया था। पोस्ट पर लिखा था, जब किसी महिला के सामने उसके पति को मार दिया जाता है, तो पूरा देश केवल शोक नहीं करता, बल्कि जाग उठता है। आज ये दोनों महिला अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी केवल फौजी अफसर की तरह नहीं बोलीं, बल्कि वे प्रतीक बन गईं उन हर महिलाओं की, जिन्होंने अपने दुख को शक्ति में बदला, उन हर माताओं की, जिन्होंने अपने बच्चों को राष्ट्र सेवा के लिए भेजा। ऑपरेशन सिंदूर बदला नहीं है, यह एक चेतावनी है- जब भारत के दिल पर चोट की जाती है, तो दुर्गा उठ खड़ी होती है। इस बार, वह दुर्गा आशीर्वाद देने नहीं, बल्कि बदला लेने के लिए आ रही है। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कार्रवाई को लेकर कई सितारे अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि अब भारत और पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर का ऐलान कर दिया गया है।

दून में डिजिटल कला पर केंद्रित कार्यशाला का सफल आयोजन

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। नॉमें प्लेसमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रेमनगर देहरादून में एक उच्च स्तरीय डिजिटल आर्ट कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन एलिएन पैराडॉक्स टेक्नोलॉजीज एलएलपी, ज्योतिस्वर्णिम वेलफेयर सोसाइटी, एनरोल मी नाउ तथा ऑसस्किल इंटरनेशनल होटल स्कूल के सहयोग से किया गया।

कार्यशाला में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों से आए छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा नवोदित डिजिटल कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता दीपक कुमार, मुख्य परिचालन अधिकारी, एलिएन पैराडॉक्स टेक्नोलॉजीज एलएलपी, रहे। उन्होंने डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, गेम डेवलपमेंट और पुस्तक डिज़ाइन के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी विकास एवं भविष्य की संभावनाओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहाँ कि अपने लाइव डेमोंस्ट्रेशन और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को डिजिटल उद्योग की वास्तविकताओं से परिचित कराया, जिससे युवाओं में इस क्षेत्र के प्रति गहरी रुचि और उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विनीता नौडियाल निदेशक, एनरोल मी नाउ, विवेक कुमार शर्मा निदेशक, एलिएन पैराडॉक्स टेक्नोलॉजीज एलएलपी, शितांशु शेखर मुख्य तकनीकी अधिकारी, एलिएन पैराडॉक्स टेक्नोलॉजीज एलएलपी, ज्योति अध्यक्ष, ज्योतिस्वर्णिम वेलफेयर सोसाइटी, पुष्पा नेगी निदेशक, ऑसस्किल इंटरनेशनल होटल स्कूल तथा प्रशांत आर्य निदेशक, इमैजिनेशन एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इन सभी गणमान्य अतिथियों ने युवाओं को रचनात्मकता, नवाचार और कौशल विकास के महत्व को समझाते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

यह कार्यशाला डिजिटल क्षेत्र में करियर की संभावनाओं को तलाशने, रचनात्मकता को तकनीकी कौशल से जोड़ने और विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुई। कार्यक्रम के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश गया कि आज के युग में डिजिटल प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है और बहु-विषयक सहयोग अब शिक्षा व करियर विकास का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। नॉमें प्लेसमेंट्स प्रा.लि. इस प्रकार की पहल करके न केवल युवाओं को सशक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, बल्कि शिक्षा और रोजगार के बीच सेतु का कार्य भी कर रहा है। कंपनी का यह प्रयास उत्तराखंड सहित सम्पूर्ण भारत में कौशल विकास और रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जयंत चौधरी करेंगे 38वीं सेंट्रल एप्रेन्टिसशिप काउंसिल मीटिंग की अध्यक्षता

-कौशल प्रशिक्षण में सुधार लाने पर होगा विचार-विमर्श

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय 26 मई 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 38वीं सेंट्रल एप्रेन्टिसशिप काउंसिल मीटिंग का आयोजन करने जा रहा है। काउंसिल का गठन अक्टूबर 2024 में जयंत चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), एमएसडीई की अध्यक्षता में किया गया था, जो सरकार को देश भर में एप्रेन्टिसशिप से संबंधित मुख्य पॉलिसियों पर सरकार को सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पिछली सीएसी मीटिंग का आयोजन जून 2021 में हुआ था। तब से भारत के एप्रेन्टिसशिप परिवेश में बड़ा बदलाव आया है- 51000 से अधिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी के साथ 36 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में 43.37 लाख एप्रेन्टिसेज़ को शामिल करते हुए, इसकी पहुंच विभिन्न ज़िलों एवं सामाजिक समूहों तक बढ़ाई गई है तथा पीएम-एनएपीएस एवं एनएटीएस योजनाओं के द्वारा भावी सेक्टरों के साथ बेहतर तालमेल बनाया गया है। उन्सिल में केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, उद्योग जगत (सार्वजनिक एवं निजी), अकादमिक, श्रम संगठनों के प्रतिनिधि और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके महत्वपूर्ण सदस्यों में भेल, इंडियन ऑयल, टाटा ग्रुप, मारूति सुजुकी, रिलायन्स इंडस्ट्रीज़, एनएसडीसी, यूजीसी, एआईसीटीई के चेयरपर्सन तथा विभिन्न मंत्रालयों जैसे शिक्षा, श्रम, एमएसएमई, रेलवे और टेक्सटाईल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। दस मुख्य राज्यों से एप्रेन्टिसशिप सलाहकार और डोमेन विशेषज्ञ (जिनके पास शिक्षा, श्रम एवं उद्योग में अनुभव है) भी काउन्सिल को अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। मीटिंग से पहले जयंत चौधरी, सीएसी के चेयरमैन और एमएसडीई के राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने कहा, एप्रेन्टिसशिप का भविष्य शिक्षा, टेक्नोलॉजी और अवसरों से जुड़ा है। हम भारत के युवाओं को गतिशील एवं समावेशी अर्थव्यवस्था के लिए तैयार कर रहे हैं, ऐसे में यह काउन्सिल मीटिंग हमारे एप्रेन्टिसशिप फ्रेमवर्क में प्रत्यास्थता, विश्वस्तरीय संबंधों को बढ़ावा देने और संस्थागत तालमेल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह 'कुशल भारत, विकसित भारत' की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मीटिंग की शुरूआत सुबह 10:30 बजे विज्ञान भवन में होगी, मंत्री जी सभा को सम्बोधित करेंगे। इसके बाद प्रस्तावित सुधारों एवं नीतिगत बदलावों पर विचार-विमर्श होगा। उम्मीद है कि काउन्सिल के परिणाम आने वाले सालों में भारत की कौशल प्राथमिकताओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सिंचाई एवं लघु सिंचाई विभाग की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में सिंचाई एवं लघु सिंचाई विभाग की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने दोनों विभागों की प्रदेश में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी ली। समीक्षा बैठक के दौरान सचिव आर. राजेश कुमार ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि विभाग की बड़ी परियोजनाओं के कार्य निर्धारित तिथि के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने सभी कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित किए जाने की बात कही। कहा कि जिन क्षेत्रों में सिंचाई एवं जल संरक्षण की अत्यधिक आवश्यकता है, उन्हें प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि कार्य शुरू होने से लेकर पूर्ण होने तक के प्रत्येक कार्य की तिथि पूर्व से निर्धारित की जाए एवं तय समय-सीमा के भीतर कार्यों को पूर्ण करने हेतु सचिव एवं विभागाध्यक्ष के स्तर पर लगातार अनुश्रवण किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के सिंचित एवं असिंचित क्षेत्र की माप के लिए आधुनिक तकनीक को प्रयोग किया जाए। उन्होंने नहर, नलकूप एवं लिफ्ट नहर आदि

को ग्राम पंचायत समितियों के माध्यम से संचालित किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने सिंचाई अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रदेश में सिंचाई क्षमता एवं अच्छी खेती वाले क्षेत्रों को चिन्हित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नहरों के मरम्मत कार्यों के लिए प्राथमिकताएं निर्धारित की जाएं। ऐसे क्षेत्र जहां सिंचाई की आवश्यकता अधिक है उन क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए योजनाएं तैयार की जाएं। मुख्य सचिव ने नलकूप एवं लिफ्ट नहर जैसी योजनाओं के लिए सौर ऊर्जा संयंत्रों पर फोकस किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग की खाली पड़ी जमीनों पर अपनी क्षमता के अनुसार सौर ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित किए जाने की बात कही। उन्होंने विभाग के लिए इस वर्ष 01 मेगावाट सौर ऊर्जा का लक्ष्य निर्धारित किया। कहा कि इससे विभाग के विद्युत बिलों में कमी आएगी। लघु सिंचाई विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने ड्रिप एवं स्प्रिंकल योजना पर फोकस किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के भूजल की कमी वाले स्थानों में पानी की बचत के लिए ड्रिप एवं स्प्रिंकल योजना अत्यधिक लाभप्रद होगी। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों में सौर ऊर्जा से संचालित होने वाली लघु सिंचाई योजनाओं को बढ़ाए जाने की बात कही।

मुख्य सचिव ने कहा कि जमरानी, सौंग एवं बलियानाला लैंडस्लाइड ट्रीटमेंट जैसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए सचिव स्तर पर मासिक एवं विभागाध्यक्ष स्तर पर साप्ताहिक अथवा पाक्षिक अनुश्रवण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग की अल्पकालिक, मध्यकालिक एवं दीर्घकालिक योजनाओं के लक्ष्य बढ़ाए जाने की बात भी कही। कहा कि लक्ष्य बढ़ाने के साथ ही कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराए जाना भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जलाशय के निर्माण के लिए वन एवं पर्यावरण आदि की क्लीयरेंस में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव आर. राजेश कुमार ने कहा कि जल संचयन, संवर्धन, पेयजल, सिंचाई हेतु बांध, बैराज, जलाशय एवं चौकडैम आदि का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना का कार्य जून, 2024 को शुरू हुआ था, जिसे मार्च, 2030 तक पूर्ण किए जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि परियोजना की अनुमानित लागत घ् 3808.16 करोड़ है। उन्होंने बताया कि सौंग बांध पेयजल परियोजना का कार्य नवम्बर, 2024 को शुरू हुआ। परियोजना को दिसम्बर, 2029 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना की अनुमानित लागत घ् 2491.96 करोड़ है। उन्होंने कहा कि आई.आर.आई, रूड़की को जलागम विभाग के द्वारा स्रोत एवं नदी पुनरोद्धार प्राधिकरण के अन्तर्गत विभिन्न जनपदों में वर्षा आधारित नदियों, जलधाराओं के पुनर्जीवीकरण एवं उपचार कार्यों से इन नदियों, जलधाराओं के प्रवाह में आए प्रभावों का सतत् आकलन करने हेतु कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। इस अवसर पर सिंचाई विभाग से सुभाष चंद्र पाण्डेय एवं लघु सिंचाई से बृजेश कुमार तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मालन पुल सहित 07 योजनाओ का..

मेयर श्री शैलेंद्र सिंह रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान उपस्थित थे।

इन योजनाओं का हुआ लोकार्पण

26 करोड़ 75 लाख 95 हजार की लागत से चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पाखरो मोटर मार्ग पर मोटाढाक के निकट मालन नदी पर 325 मीटर स्पान के पूर्व निर्मित आरसीसी बॉयडेड स्लैब सेतु का सुरक्षात्मक कार्य। 4 करोड़ 50 लाख 19 हजार की लागत से चिल्लरखाल-पाखरो मोटर मार्ग के 12 किलोमीटर में स्थित 385 मीटर स्पान के सुखरौं पुल का सुरक्षात्मक कार्य। 2 करोड़ 10 लाख 40 हजार की लागत से कौड़िया मोटाढाक मोटर मार्ग पर बीईएल के निकट सुखरों नदी पर 300 मीटर स्पान डबल लेन पुल का सुरक्षात्मक कार्य। 2 करोड़ 36 लाख 87 हजार की लागत से खोह नदी में स्थित 90 मीटर स्पान ग्रास्टनगंज पुल के सुरक्षात्मक कार्य। 2 करोड़ 70 लाख 20 हजार की लागत से खोह नदी में स्थित 100 मीटर स्पान गूलर पुल के सुरक्षात्मक कार्य। 4 करोड़ 87 लाख 20 हजार की लागत से खोह नदी पर 100 मीटर स्पान आरसीसी गार्डर पुल के सुरक्षात्मक कार्य।

18 करोड़ 25 लाख 35 हजार की लागत से निर्मित। चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पाखरो मोटर मार्ग के किलोमीटर 1-12 में सुदृढ़ीकरण कार्य। **मुख्यमंत्री की घोषणाएं**

1- विकासखण्ड दुगड्डा के मेरठ -पौड़ी राजमार्ग के कि0मी0 138 से लालपुर-कलालघाटी-नयाबाद-पुराना कोटद्वार-हरिद्वार मोटर मार्ग का डी0बी0एम0 एवं बी0सी0 द्वारा सुदृढीकरण कार्य कराया जायेगा।

2- कोटद्वार में खड़क सिंह के घर से रजनी देवी के घर तक तथा चिल्लर खाल तिराहे से लोकमणिपुर की ओर बहादुर सिंह के घर तक सिगड्डी नगरीय पेयजल योजना में पाइपलाईन बिछाने का कार्य किया जायेगा।

3- सिंचाई खण्ड दुगड्डा के कोटद्वार क्षेत्रातंर्गत के मालन फीडर की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य किया जायेगा।

4- कोटद्वार में मालन नदी पर निर्मित बायी मालन नहर के साइफन सिल्ट इजेक्टर एवं आउटलेट वेल की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य किया जायेगा।

5- राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (एस0डी0एम0एफ0) क्षेत्रातंर्गत कोटद्वार में खोह नदी के बांये तट पर स्थित ग्राम बिशनपुर की बाढ़ सुरक्षा का कार्य किया जायेगा।

पुलिस कस्टडी में मारपीट मामले में भाजपा विधायक सहित चार को सुनाई कोर्ट ने सजा

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। पुलिस कस्टडी में मारपीट मामले में सीबीआई कोर्ट ने भाजपा विधायक आदेश चौहान सहित चार अन्य लोगों को दोषी करार दिया है। सभी आरोपियों को एक साल की सजा सुनाई गयी है। उत्तराखंड की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब खबर आई कि सीबीआई कोर्ट ने भाजपा के विधायक आदेश चौहान को सजा सुनाई है। मामला पुलिस कस्टडी में मारपीट से जुड़ा था। सीबीआई कोर्ट में इस केस की काफी समय से सुनवाई चल रही थी। इसी मामले में तीन पुलिसकर्मियों को भी सजा सुनाई गई है। हालांकि, इसमें से एक पुलिसकर्मी की पूर्व में मौत हो चुकी है। बता दें कि, भाजपा विधायक आदेश चौहान पर अपनी भतीजी के पति को पीटने का आरोप था। इस मामले में विधायक की भतीजी के पति मनीष ने शिकायत की थी। मामले में मनीष की शिकायत पर उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच सौंपी थी। खास बात ये है कि मनीष की शिकायत पर जांच के दौरान तमाम तथ्यों को सही पाया गया था। सीबीआई कोर्ट ने भी इसे सही मानते हुए अपना फैसला सुनाया है। सीबीआई कोर्ट में भाजपा विधायक आदेश चौहान के अलावा उनकी भतीजी दीपिका और तीन अन्य लोगों को दोषी करार दिया है। इसमें तीन पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जिसमें से एक पुलिसकर्मी की पूर्व में मौत हो गई थी।

सरोज देवी फाउंडेशन का देहरादून में सफल जन जागरण अभियान: छात्राओं और अध्यापिकाओं ने दिखाई उत्साहपूर्ण भागीदारी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। आज सरोज देवी फाउंडेशन ने देहरादून के सी.एन.आई. इंटर कॉलेज, राजपुर रोड पर एक महत्वपूर्ण जन जागरण अभियान का सफल आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों छात्राओं और अध्यापिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में जागरूकता बढ़ाना था, और इसमें उपस्थित जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी ने इसे विशेष बना दिया। अभियान के दौरान, विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और उपस्थित लोगों को महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम में सरोज देवी फाउंडेशन के प्रमुख सदस्य और समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें बेबी चांद, विजय जायसवाल, संजीव शर्मा, सुभाष चंद्र और अंजलि ज्ञान प्रमुख थे। इन सभी ने अभियान की सफलता में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इस जन जागरण अभियान ने छात्राओं और अध्यापिकाओं को समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों और अधिकारों के बारे में शिक्षित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। सरोज देवी फाउंडेशन ने एक बार फिर साबित किया कि वे सामाजिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं। इस आयोजन ने निश्चित रूप से सी.एन.आई. इंटर कॉलेज के परिसर में एक नई चेतना का संचार किया

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा
संपादक: संदीप शर्मा
सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास
संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी
अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की
अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की
ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M-7500471414,7500581414

नोट- समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

उत्तराखंड की स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी होगी बेस्ट मॉडल : रेखा आर्या

समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश
राष्ट्रीय खेल दिवस पर वितरित होगी नगद इनाम राशि

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश में बनने वाले खेल विश्वविद्यालय को देश का सर्वश्रेष्ठ मॉडल बनाने की तैयारी है। सोमवार को खेल निदेशालय स्थित सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक में खेल मंत्री रेखा आर्या ने इसके निर्देश दिए।

बैठक में खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि देश में जितने भी खेल विश्वविद्यालय स्थित हैं उन सभी का वर्किंग मॉडल, उनके कोर्स और स्टाफ स्ट्रक्चर का अध्ययन करके प्रदेश में खेल विश्वविद्यालय का बेस्ट मॉडल तैयार किया जाए। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि खेल विश्वविद्यालय में जितने पदों की आवश्यकता है इस बारे में शासन से जल्द अनुमति ली जाए । उन्होंने अधिकारियों को विश्वविद्यालय के कोर्सों को मान्यता दिलाने के लिए यूजीसी के साथ भी पत्राचार करने के निर्देश दिए। खेल मंत्री ने बताया कि खेल विश्वविद्यालय के प्रस्ताव पर केंद्रीय स्तर से वन विभाग की जो आपत्ति थी, उसका निवारण किया जा रहा है । उन्होंने अधिकारियों को इस दिशा में तेज कार्रवाई करने के निर्देश दिए जिससे आगामी 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया जा सके।

खेल मंत्री ने बताया कि 38 वें राष्ट्रीय खेलों प्रदेश के लिए पदक जितने वाले खिलाड़ियों की नगद इनाम राशि के लिए शासन स्तर से 15 करोड रुपए स्वीकृत हो चुके हैं। खिलाड़ियों से आवेदन मांगे गए हैं और आगामी राष्ट्रीय खेल दिवस पर ही विजेताओं को नगद इनाम राशि वितरित भी जाएगी। खेल मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय खेलों के अलावा भी जिन खिलाड़ियों ने 1 जुलाई 2024 से 31 मार्च 2025 तक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश के लिए पदक जीते हैं उन्हें भी इसके साथ ही नगद इनाम राशि दी जानी है। बैठक में विशेष प्रमुख खेल सचिव अमित सिन्हा, खेल निदेशक प्रशांत आर्य, संयुक्त निदेशक अजय अग्रवाल, उपनिदेशक शक्ति सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आउट ऑफ़ टर्न जॉब के लिए बनेंगे अधिसंख्य पद

राष्ट्रीय खेल अन्य राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में प्रदेश के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न जॉब देने के लिए विभिन्न विभागों में अधिसंख्य पद सृजित करने की मांग की गई है। पहले शासन स्तर से यह कहा गया था कि वर्तमान में जो 57 पद रिक्त हैं पहले उन पर नियुक्ति कर ली जाए, लेकिन सोमवार की बैठक में यह तय हुआ कि सभी पात्र खिलाड़ियों को एक साथ नियुक्ति दी जानी है। इसलिए पहले अधिसंख्य पद सृर्जित करना जरूरी है। खेल मंत्री ने विशेष प्रमुख खेल सचिव को इस बारे में शासन की जल्द से जल्द अनुमति लेने के लिए निर्देशित किया। खेल विभाग शासन से 400 से अधिक अधिसंख्य पद चाहता है ताकि भविष्य में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को तुरंत नियुक्ति देने में सुविधा रहे।

एक सप्ताह में जारी होगी प्रोत्साहन राशि

मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना और मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत चुने गए युवा खिलाड़ियों को धनराशि का भुगतान एक सप्ताह के भीतर किया जाएगा। बैठक के बाद खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और उनके बैंक अकाउंट अपडेट किए जा रहे हैं। जल्द ही डीबीटी के माध्यम से खिलाड़ियों का पैसा जारी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी ने हरिद्वार और ऋषिकेश में दो ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक का किया उद्घाटन

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार और ऋषिकेश में दो ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (एडीटीटी) का उद्घाटन किया। ये दोनों ट्रैक मारुति सुजुकी द्वारा अपनी सीएसआर पहल के तहत स्थापित किए गए हैं। एडीटीटी ड्राइविंग लाइसेंस मूल्यांकन के लिए हाई-डेफिनिशन कैमरों और इंटीग्रेटिड आईटी सिस्टम से लैस हैं और इनमें मानव हस्तक्षेप नहीं है। यह तकनीक ड्राइविंग लाइसेंस चाहने वालों के लिए अधिक व्यापक, कुशल और पारदर्शी परीक्षण प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। एडीटीटी (।क्ज्) में मूल्यांकन केंद्रीय मोटर वाहन नियमों (सीएमवीआर) के अनुसार किया जाता है। ये दोनों नए एडीटीटी लाइट मोटर व्हीकल और दो पहिया वाहनों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षण की सुविधा प्रदान करेंगे। इन 2 एडीटीटी के ऑटोमेशन के अलावा, मारुति सुजुकी 2019 से देहरादून में एक एडीटीटी का संचालन करती है। देहरादून के एडीटीटी को उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री से 2019-2020 में उत्कृष्टता और सुशासन के लिए प्रशंसा मिल चुकी है। राज्य को दो नए एडीटीटी समर्पित करते हुए, उत्तराखंड सरकार के परिवहन सचिव बृजेश कुमार संत (आई.ए.एस.) ने कहा, फ़्हम उत्तराखंड की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और मारुति सुजुकी के एडीटीटी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण सहायक हैं। मारुति सुजुकी के साथ हमारा जुड़ाव 2009 से है, जब देहरादून में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च की स्थापना की गई थी। एडीटीटी में व्यापक मूल्यांकन के साथ, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि केवल कुशल ड्राइवरों को ही ड्राइविंग लाइसेंस मिले। चार धाम यात्रा से पहले कॉमर्शियल ड्राइवरों के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण राज्य संचालित सड़क सुरक्षा पहल में से एक है, जिसमें हम मारुति सुजुकी के साथ मिलकर काम करते हैं। मैं इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को चलाने के लिए भी कंपनी की सराहना करता हूं, जो ड्राइवरों को यात्रा मार्ग के लिए तैयार करने में मदद करती है।

उत्तराखंड सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय समिति का गठन

देहरादून । उत्तराखंड में पेंशनर्स की समस्याओं के समाधान को दबाव बनाने को उत्तराखंड सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय समिति का गठन किया गया है। एसएस वल्दिया को समिति में मुख्य संयोजक बनाया गया। यमुना कालोनी संकल्प भवन में हुई बैठक में समन्वय समिति का गठन हुआ। सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स फोरम के अध्यक्ष वीएस रांगड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन हरीश चंद्र नौटियाल ने किया। समिति में यूएस महर, बच्ची सिंह रावत, वीएन नौटियाल, पीएस रावत, नवीन नैथानी को संयोजक का जिम्मा दिया गया। बैठक में सेवानिवृत्त कार्मिक, पेंशनर्स की लंबित समस्याओं के समाधान को सभी संगठनों ने समन्वय समिति को पूरा सहयोग, समर्थन देने का ऐलान किया। तय हुआ कि एकजुट होकर शासन, प्रशासन पर दबाव बनाया जाएगा। पेंशनर्स के हितों को सुरक्षित रखने को हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

फिर आंदोलन की तैयारी में राज्य के अतिथि शिक्षक

– आगामी चार जून को माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ का प्रांतीय अधिवेशन बुला

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। मानदेय बढोत्तरी, पद सुरक्षित करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर राज्य के सरकारी माध्यमिक स्कूलों में तैनात चार हजार से ज्यादा अतिथि शिक्षकों ने आंदोलन के लिए बांहे चढ़ाना शुरू कर दिया। आगामी चार जून को माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ का प्रांतीय अधिवेशन बुला लिया गया है। सोमवार को संघ के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष आशीष जोशी ने कहा कि प्रांतीय अधिवेशन में आंदोलन की रणनीति को तय किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अतिथि शिक्षक वर्ष 2015 से दुर्गम क्षेत्र के स्कूलों में प्रतिकूल हालात और अल्प मानदेय में काम कर रहे हैं। सरकार कई बार समस्याओं का समाधान करने का वादा कर चुकी है, लेकिन कार्यवाही नहीं हो रही है।

अब अतिथि शिक्षक कोरे आश्वासनों को नहीं मानेंगे। चार जून के अधिवेशन में संघ अपनी आगे की रणनीति की घोषणा करेगा। वर्तमान में प्रदेश के माध्यमिक स्कूलों में प्रवक्ता और एलटी कैडर के पदों पर चार हजार से ज्यादा अतिथि शिक्षक काम कर रहे हैं। अधिकांश अतिथि शिक्षक दुर्गम और अतिदुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत है। पिछले कई साल से अतिथि शिक्षक लगातार सरकार से उनके नियमितीकरण, पद सुरक्षित रखने के लिए नीति बनाने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही वो अपने 25 हजार रुपये के मानदेय को बढ़ाने की मांग भी करते आ रहे हैं। वर्ष 2023 और वर्ष 2024 आंदोलन के बाद शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव, महानिदेशक और निदेशक स्तर हुई वार्ताओं में उनकी मांगों पर कार्यवाही का आश्वासन दिया गया था। लेकिन अब तक एक भी मांग पर अमल नहीं हुआ। मानसिक तनाव से गुजर रहे अतिथि शिक्षक माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक भट्ट का कहना है कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता वृद्धि में प्रत्येक अतिथि शिक्षक का भी योगदान है। अतिथि शिक्षक जहां भी तैनात हैँ पूरी निष्ठा के साथ अध्यापन करा रहे हैं। 10 साल से ज्यादा की सेवा के बाद भी हर वक्त नौकरी पर खतरा महसूस होता रहा है। नई नियुक्ति, प्रमोशन और तबादला प्रक्रिया के दौरान स्थायी शिक्षक की नियुक्ति होने पर अतिथि शिक्षकों को हटना पड़ता है। अतिथि शिक्षक मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि जल्द से जल्द अतिथि शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस नीति बनाएं।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक
दैनिक इंडिया वार्ता
कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।
दूरभाष: 7500581414,9359555222